मध्यभारत की कला, संस्कृति एवं पुरातत्व

…गेश दुबे

… चढ़ार

Scanned with OKEN Scanner

मध्यभारत की कला, संस्कृति एवं पुरातत्त्व

(स्वर्गीय प्रो. विवेकदत्त झा स्मृति ग्रन्थ)

संपादक

प्रो. नागेश दुबे

डॉ.मोहन लाल चढ़ार

SSDN

SSDN Publishers & Distributors

New Delhi

Scanned with OKEN Scanner

Published by
Satparkash Katla
SSDN PUBLISHERS AND DISTRIBUTORS
5A, Sahni Mansion, Ansari Road
Daryaganj, New Delhi 110002 (India)
Ph: 011-47520102
E-mail: ssdn.katla@gmail.com
www.ssdnbooks.com

मध्यभारत की कला, संस्कृति एवं पुरातत्व

© प्रो. नागेश दुबे एवं डॉ. मोहन लाल चढ़ार

₹ 3500

सर्वाधिकार सुरक्षित। पुस्तक का कोई भी भाग लेखक की पूर्वानुमति के बिना किसी भी रूप में पुनर्प्रकाशित नहीं किया जा सकता है।

प्रथम संस्करण 2017

ISBN: 978-93-8357-598-5

Printed at New Delhi, India

इस पुस्तक में प्रकाशित आलेख, लेखकों के अपने विचार है, इन विचारों से सम्पादकगण प्रकाशक अथवा मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है

Scanned with OKEN Scanner

मध्यभारत कला, संस्कृति तथा पुरातत्त्व की दृष्टि से काफी समृद्धशाली तथा महत्वपूर्ण क्षेत्र है। मध्यभारत में पाषाणकालीन, ताम्रपाषाणकालीन, मौर्यकालीन, शुंगकालीन, सातवाहनकालीन, कुषाणकालीन, शक–क्षत्रपकालीन, गुप्तकालीन, परमारकालीन, गुर्जर–प्रतिहारकालीन, चंदेलकालीन, कलचुरीकालीन एवं मुगल–मराठाकालीन अनेक कला, संस्कृति, तथा पुरातत्त्व से सम्बन्धित पुरावशेष प्राप्त हो चुके हैं। इससे स्पष्ट होता है कि इतिहास की पुनर्रचना में प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्त्व विषय तथा प्राचीन रीति रिवाजों व परम्पराओं को समझने के लिए इस क्षेत्र ने एक नवीन दृष्टि प्रदान की है। इस ग्रन्थ में मध्यभारत के इतिहास, संस्कृति, पुरातत्त्व, प्रतिमाशास्त्र, मंदिर स्थापत्य, कला, लिपिशास्त्र, अभिलेखशास्त्र एवं मुद्राशास्त्र, पुरातात्त्विक उत्खननों से प्राप्त पुरासामग्री, प्रागैतिहासिककाल, आद्यैतिहासिक काल एवं ऐतिहासिक काल से संबंधित विभिन्न शोध पत्र एवं प्रो. विवेकदत्त झा के जीवन से सम्बधित संस्मरण प्रस्तुत ग्रन्थ में संग्रहीत किये गये हैं। यह ग्रन्थ स्व. प्रो. विवेकदत्त झा की स्मृति में प्रकाशित किया गया है।

प्रो. नागेश दुबे विगत 25 वर्षों से प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्त्व की विभिन्न विधाओं में अनुसंधान तथा शिक्षण कार्य में संलग्न हैं। आपके 50 शोधपत्र एवं चार ग्रन्थ प्रकाशित हो चुके हैं। आपने 45 राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में शोध पत्रों का वाचन तथा तीन राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन किया है। आपने 10 पीएच.डी. एवं 08 एम.फिल. के विद्यार्थियों का कुशल निर्देशन किया है। आपने अनेक पुरास्थलों के सर्वेक्षण एवं उत्खननों में सहभागिता की है। वर्तमान में प्रो. दुबे प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्त्व विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर, मध्यप्रदेश में प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष तथा उप–कुलानुशासक के पद पर कार्यरत हैं।

डॉ. मोहन लाल चढ़ार का जन्म 01 जुलाई 1981 ईस्वी में मध्यप्रदेश के सागर जिले में स्थित पुरातात्त्विक स्थल एरण में हुआ। इन्होंने डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्यप्रदेश से स्नातक तथा स्नातकोत्तर की उपाधि प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्त्व विषय में उत्तीर्ण कर स्वर्णपदक प्राप्त किया तथा इन्हें विश्वविद्यालय द्वारा गौर सम्मान से सम्मानित किया गया। इन्होंने इतिहास, भारतीय संस्कृति तथा पुरातत्त्व विषय में नेट/जे.आर.एफ. परीक्षा उत्तीर्ण कर डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्यप्रदेश से 'एरण की ताम्रपाषाण संस्कृति : एक अध्ययन' विषय पर [illegible] शोध विद्यावाचस्पति की उपाधि प्राप्त की तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से जूनियर रिसर्च फैलोशिप एवं [illegible] की। इनकी चार पुस्तकें व 50 शोधपत्र प्रकाशित हैं। इन्होंने 40 राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों में [illegible] वर्तमान में डॉ. चढ़ार प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति तथा पुरातत्त्व विभाग, इंदिरा गाँधी [illegible] में सहायक प्राध्यापक एवं प्रभारी विभागाध्यक्ष, योग विभाग व समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना [illegible]

SSDN

SSDN Publishers & Distributors

5A, Sahni Mansion, Ansari Road, Daryaganj, New Delhi-110002
Ph.: 011-47520102, 9871115366, E-mail: ssdn.katie@gmail.com
ssdnbooks@gmail.com, info@ssdnbooks.com
Website: www.ssdnbooks.com

₹ 3500.00